University of Mumbai

No. UG/31 of 2019-20

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges, the Head University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office Circular No. UG/71 of 2018-19, dated 6th July, 2018 relating to the revised syllabus as per (CBCS) for the M.A. in Hindi (Sem. I to IV).

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 9th April, 2019 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 15th April, 2019 **vide** item No. 4.26 and that in accordance therewith, the revised syllabus as per the (CBCS) for the M.A. (Sem. I & II) in Hindi has been brought into force with effect from the academic year 2019-20, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
3rd June, 2019

To

The Principals of the affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C./4.26/15/04/2019

****

No. UG/31 -A of 2019 MUMBAI-400 032 3rd June, 2019

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),
5) The Director, Board of Students Development,
6) The Co-ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi At the M.A. – I Examination

Choice Based CreditSystem (CBCS)

Semester I & II

(With effect from the Academic Year: 2019-2020)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi At the

M.A.-I Examination

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester I & II

(With effect from the Academic Year: 2019-2020)

हिन्दी अध्ययन मंडल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय(सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय(सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी(सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी(सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल(सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले(सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान(सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (समन्वयक)
2. डॉ. विष्णु सरवदे (सदस्य)
3. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)
4. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
5. डॉ. बालकवि सुरंजे (सदस्य)
6. डॉ. उमेश शुक्ल (सदस्य)
7. डॉ. सुनील चव्हाण (सदस्य)
8. डॉ. महेश दवंगे (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

एम. ए (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर I एवं II

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit System

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 101

प्रश्न पत्र - १

हिंदी साहित्य का इतिहास

(History of Hindi Literature)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

इकाई एक **श्रेयांक -२**

१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन

२. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ

३. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण

४. आदिकाल : परिवेश

: सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य

: अमीर खुसरो एवं विद्यापति

इकाई दो और तीन **श्रेयांक - २**

५. भक्तिकाल : परिवेश

: भक्ति आंदोलन का विकास

: संत काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: सूफ़ी काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: कृष्णभक्ति काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियाँ

: भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

इकाई चार **श्रेयांक -२**

६. रीतिकाल : रीतिकालीन परिवेश

: रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 102

प्रश्न पत्र - २

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(History of Hindi Literature -Modern Age)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. आधुनिक कालीन परिवेश

इकाई दो **श्रेयांक - २**

२. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन :

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद,
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,
नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

३. हिंदी गद्य साहित्य :

हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास -
उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

इकाई चार **श्रेयांक - १**

आलोचना, यात्रा-वृत्तांत, डायरी, पत्र, जीवनी,
आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र १ और २)

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

७. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

१० आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

११ हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

१२ हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

१३ हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

१४ हिंदी साहित्य एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंह

१५ हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१६ हिंदी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ. भगीरथ मिश्र

१७ रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

१८ रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र

१९ आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी

२० हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्र

२१ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के

२२ हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास - डॉ. मोहन अवस्थी

२३ हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे / डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे

२४ आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२५ आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२६ साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२७ आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

२८ हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे

२९ हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

३० हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन

३१ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. उद्धव भंडारे

३२ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी

३३ भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल सिंह

३४ भक्ति साहित्य मे परमानंद सागर- डॉ. सुमन सिंह

३५ दिनकर का कुरुक्षेत्र -डॉ. मोहसिन ख़ान

३६ प्रगतिवादी समीक्षक डॉ. रमविलास शर्मा- डॉ. मोहसिन ख़ान

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 103

प्रश्न पत्र - ३

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

(Poetics and Literary Criticism)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड- क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - २**

१. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

२. अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

३. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

खंड - ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक -१**

१. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद

इकाई चार **श्रेयांक - २**

२. विचारक
   १. प्लेटो के काव्य सिद्धांत
   २. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
   ३. लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 104

प्रश्न पत्र - ४

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

(Poetics and Literary Criticism)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड - क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - २**

१. वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

२. ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य

३. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेंद्र, डॉ. नामवर सिंह

खंड - ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

१. सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई चार **श्रेयांक - २**

२. विचारक : १. मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

२. टी.एस.इलियट - परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

३. आई.ए.रिचर्ड्स - व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ३ और ४)

१. भारतीय साहित्य शास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय
२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ. नगेंद्र
३. साहित्य का मूल्यांकन - डॉ. रामचंद्र तिवारी
४. रस सिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण - डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित
५. रस सिद्धांत - डॉ. नगेंद्र
६. काव्यतत्व विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
७. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
८. साहित्य शास्त्र - डॉ. कमलाप्रसाद पांडेय
९. भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
१०. ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य - डॉ. टी.एन.राय
११. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
१२. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
१३. आलोचक का दायित्व - डॉ. रामचंद्र तिवारी
१४. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
१५. नामवर के विमर्श - डॉ. सुधीश पचौरी
१६. पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
१७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा
१८. पाश्चात्य काव्यचिंतन - डॉ. निर्मला जैन
१९. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार - सं. देवीशंकर नवीन
२०. उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श - सं.डॉ. सुधीश पचौरी
२१. समीक्षा के विविध आधार -सं. डॉ. रामजी तिवारी
२२. पाश्चात्य काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२३. छंदोलंकार प्रदीपिका - विश्वबंधु शर्मा
२४. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - डॉ. निर्मला जैन
२५. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल
२६. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान - डॉ. हरीश अरोड़ा
२७. आई.ए.रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. विष्णु सरवदे

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 105

प्रश्न पत्र - ५

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Linguistics and Hindi Language)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड : क

इकाई एक **श्रेयांक -२**

१. भाषा : भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

२. भाषा विज्ञान : भाषा विज्ञान का नामकरण, परिभाषा, स्वरूप औरव्याप्ति भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान के प्रकार -अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

इकाई दो **श्रेयांक - १**

३. स्वन विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद - खंड्य स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण

खंड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

१. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ

: मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और

उनकी विशेषताएँ

: आधुनिक भारतीय भाषाओँ का सामान्य परिचय - मराठी, गुजराती,राजस्थानी,पंजाबी,तेलुगु, कन्नड़, तमिल ,मलयालम

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. हिंदी का वाक्य विन्यास : पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 106

प्रश्न पत्र - ६

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Linguistics and Hindi Language)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड : क

इकाई एक **श्रेयांक - २**

१. रूप विज्ञान : रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थ तत्व और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद

२. वाक्य विज्ञान : परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

इकाई दो **श्रेयांक - १**

३. अर्थ विज्ञान : अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण

खंड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

१. हिंदी की रूप रचना : १. हिंदी की शब्द रचना, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास

२. लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ, मानक रूप एवं त्रुटियाँ

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ५ और ६)

१. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
३. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी
४. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
५. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अंबादास देशमुख
६. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
७. सामान्य भाषा विज्ञान सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. विद्यासागर दयाल
८. वर्ण विज्ञान - श्री. प्रभात रज्जन सरकार
९. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री
१०. हिंदी व्याकरण प्रकाश - डॉ. महेंद्र कुमार राना
११. भाषा विज्ञान की रूपरेखा - द्वारका प्रसाद सक्सेना
१२. नागरी लिपि : रूप और सुधार - मोहन ब्रज
१३. हिंदी उद्भव विकास और रूप -हरदेव बाहरी
१४. भाषा और भाषिका - डॉ. देवीशंकर द्विवेदी
१५. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
१६. हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान - डॉ. महावीरसरन जैन
१७. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा
१८. भाषा - सं. राजमल बोरा
१९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास - डॉ. देवेंद्र सिंह
२०. भाषा विज्ञान - रमेश रावत
२१. भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी - डॉ. अमर सिंह वधान
२२. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन - रामगोपाल शर्मा
२३. हिंदी भाषा : कल और आज - पूरनचंद टंडन
२४. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना - डॉ. अर्जुन तिवारी
२५. भारतीय भाषा विज्ञान - आचार्य किशोरदास वाजपेयी
२६. आधुनिक भाषा विज्ञान - राजमणि शर्मा
२७. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा
२८. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोद प्रसाद
२९. भाषा शिक्षण - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

३०. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३१. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३२. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया
३३. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास - विनोद दिवाकर
३४. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
३५. हिंदी वर्तनी का विकास - अनिता गुप्ता
३६. हिंदी का विश्व संदर्भ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
३७. हिन्दी भाषा एक अवाध प्रवाह- डॉ. सुमन सिंह
३८. देवनागरी विमर्श-सं.शैलेंद्रकुमार शर्मा

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 107

प्रश्न पत्र - ७

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य

(Ancient and Medieval Poetry)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

***प्राचीन और मध्यकालीन काव्य :**संपादन - हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई
राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-11002

इकाई एकश्रेयांक - २

***बीसल देव रास**

व्याख्या हेतु छंद : 6 ,11,16,19,26,30,32,36,38,
39,41,45,52,60,65,69,71,74,
82,96,105,108,113,124,125कुल = 25

इकाई दोश्रेयांक - २

*** कबीर**

व्याख्या हेतु पद :1 ,3,8 ,11 ,14 ,21 ,39 ,41 ,43 ,47,57 ,64
66 ,79 ,87,94,97,117 ,130,134 ,139
147 ,156 ,163 ,168 कुल = 25

इकाई तीन और चारश्रेयांक - २

***पद्मावत**

व्याख्या हेतु खंड : १. सिंहल द्वीप वर्णन खंड
२. नागमती वियोग खंड

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 108

प्रश्न पत्र - ८

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य

(Ancient and Medieval Poetry)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

***प्राचीन और मध्यकालीन काव्य :**संपादन - हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-11002

इकाई एक **श्रेयांक - २**

***भ्रमर गीत सार**

व्याख्या हेतु पद : 1,4,7,9,11,16,26,38,42,51,57,
64,90,95,105,115,131,138,143,157,
177,196,200,279,316कुल = 25

इकाईदो और तीन श्रेयांक -३

***श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड**

व्याख्या हेतु दोहे : 216से240

कुल = 25

इकाई चार **श्रेयांक - १**

***मीराँबाई**

व्याख्या हेतु पद : 1,3,18,19,20,22,23,31,33,34,36,
37,38,39,41,46,49,53,56,69,70,
76,90,156,159 कुल = 25

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ७ और ८)

१. कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२. कबीर ग्रंथावली - डॉ. एल. बी. राम 'अनंत'
३. कबीर : व्यक्तित्व एवं सिद्धांत - डॉ. सरनाम सिंह
४. कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा
५. कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
६. जायसी एवं उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक
७. जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
८. जायसी - डॉ. विजयदेव नारायण साही
९. तुलसीदास : आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुंतल 'मेघ'
१०. जायसी का काव्य शिल्प - डॉ. दर्शनलाल सेठी
११. तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित
१२. रामचरितमानस में अलंकार योजना - डॉ. वचनदेव कुमार
१३. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतनकुमार पांडेय
१४. कालजयी संत तुलसीदास - डॉ. उमापति दीक्षित
१५. तुलसी काव्य में विविध आयाम - डॉ. उमापति दीक्षित
१६. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. विविधा - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१९. रीतिकालीन काव्य परंपरा में पद्मावत - डॉ. द्वारिकानाथ राय
२०. मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में नारी भावना - डॉ. उषा पांडेय
२१. रीति परंपरा के प्रमुख आचार्य - डॉ. सत्यदेव चौधरी
२२. हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और बिहारी - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
२३. हिंदी रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव - डॉ. दयानंद शर्मा
२४. मीरा और मीरा - महादेवी वर्मा
२५. भक्तिमती मीराबाई : जीवन और काव्य - लालबहादुर सिंह चौहान
२६. कबीर एवं तुकाराम का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बालकवि सुरंजे
२७. वाल्मीकि एवं तुलसी के नारी पात्र - डॉ. संतोष मोटवानी
२८. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल सिंह
२९. रहीम काव्य मेँ पुराख्यान - डॉ. मोहसीन खान

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60

2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks – 40

पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प	- २० अंक
प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य	- १० अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता	- ०५ अंक
शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	- ०५ अंक

एम. ए. (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर I एवं II

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Course पाठ्यक्रम १ से ६ तक

प्रश्न १ - पूछे गए ४ प्रश्नों में से २ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	- ४० अंक
प्रश्न २ - पूछे गए ४ टिप्पणियों में से २ के उत्तर अपेक्षित	- १० अंक
प्रश्न ३ - अ) ०५ अतिलघूत्तरी प्रश्न	- ०५ अंक
ब) ०५ बहु विकल्पीय प्रश्न	- ०५ अंक
	कुल योग - ६० अंक

Course पाठ्यक्रम ७ एवं ८

प्रश्न १ -संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - २० अंक

प्रश्न २ -दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - ३० अंक

प्रश्न ३ -अ) अतिलघूत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से)	- ०५ अंक
ब) बहु विकल्पीय प्रश्न	- ०५ अंक

एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्न पत्र पर चार व्याख्यान प्रति सप्ताह

१६ × ४ = ६४ व्याख्यान

****

University of Mumbai

No. UG/34 of 2019-20

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges, the Head University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office Circular No. UG/71 of 2018-19, dated 6th July, 2018 relating to the revised syllabus as per (CBCS) for the M.A. in Hindi (Sem. I to IV).

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 9th April, 2019 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 15th April, 2019 **vide** item No. 4.27 and that in accordance therewith, the revised syllabus as per the (CBCS) for the M.A. (Sem. III & IV) in Hindi has been brought into force with effect from the academic year 2019-20, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
17th June, 2019

To

The Principals of the affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C./4.27/15/04/2019

****

No. UG/34 -A of 2019 MUMBAI-400 032 17th June, 2019

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),
5) The Director, Board of Students Development,
6) The Co-ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi At the M.A. - II Examination

Choice Based CreditSystem (CBCS)

Semester III & IV

(With effect from the Academic Year :2019-2020)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and
Pattern of Question Paper in the
Subject of
Hindi
at the
M.A. – II
Examination
Choice Based CreditSystem (CBCS)
Semester III and IV
(With effect from the Academic Year :2019-2020)

हिन्दी अध्ययन मंडल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय(सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय(सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी(सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी(सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल(सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले(सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान(सदस्य)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus andPattern of Question Paper in the Subject of Hindi at the

M.A. – II

Examination

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Semester III and IV

(With effect from the AcademicYear : 2019-2020)

पाठ्यक्रम समिति

1.डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (समन्वयक)

2.डॉ. विष्णु सरवदे (सदस्य)

3.डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)

4.डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)

5.डॉ. बालकवि सुरंजे (सदस्य)

6.डॉ. उमेश शुक्ल (सदस्य)

7.डॉ. सुनील चव्हाण (सदस्य)

8.डॉ. महेश दवंगे (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

एम. ए. (द्वितीय वर्ष) सेमेस्टर **III** and **IV**

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit System

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 109

प्रश्न पत्र - ९

आधुनिक गद्य

(Modern Prose)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक -२**

१. गोदान (उपन्यास) - प्रेमचंद

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई तीन - **श्रेयांक -२**

२. कल्पलता (निबंध) - हजारीप्रसाद द्विवेदी

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(**चयनित निबंध**- नाख़ून क्यों बढ़ते है, आम फिर बौरा गये, शिरीष के फूल, भगवान महाकाल का कुंठ नृत्य, महात्मा के महाप्रयाण के बाद, ठाकुरजी की बटोर, संस्कृतियों का संगम, समालोचक की डाक, महिलाओं की लिखी कहानियाँ, केतुदर्शन)

इकाई चार - **श्रेयांक -२**

३. कथा मंजरी (कहानियाँ) - संपादक - महेंद्र कुलश्रेष्ठ

राजपाल प्रकाशन, नई दिल्ली

(सभी कहानियाँ)

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र - ९)

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
२. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ. गोपाल राय
३. हिंदी उपन्यास स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदीवडेकर
४. शांतिनिकेतन से शिवालिक - डॉ. शिवप्रसाद सिंह
५. दूसरी परंपरा की खोज - डॉ. नामवर सिंह
६. व्योमकेश दरवेश, हजारीप्रसाद द्विवेदी - विश्वनाथ त्रिपाठी
७. प्रेमचंद - नंददुलारे वाजपेयी
८. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
९. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ - शंभु गुप्त
१०. हिंदी कहानियों की शिल्प विधि का विकास - डॉ. सत्यपाल चुघ
११. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य - डॉ. पुष्पपाल सिंह
१२. कहानी का इतिहास - गोपाल राय
१३. साहित्य, समय और संवेदना - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
१४. हिंदी साहित्य संवेदनाओं की विवेचना - डॉ. सचिन गपाट
१५. समकालीन कहानी संवेदना का साक्षी - सं. डॉ. मनप्रीत कौर
१६. आंचलिकता और हिंदी उपन्यास - सं. डॉ. अनिल सिंह
१७. साहित्य और मानवतावाद - सं. डॉ. अनिल सिंह
१८. ललित निबंध : विधा की बात - डॉ.हूबनाथ

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 110

प्रश्न पत्र - १०

आधुनिक काव्य

(Modern Poetry)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक - २**

१. कामायनी - जयशंकर प्रसाद

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(चिंता, श्रद्धा और इड़ा)

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

२. आँगन के पार द्वार - अज्ञेय

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

(बना दे चितेरे, चिड़िया ने, अंतःसलिला, असाध्यवीणा)

इकाई चार **श्रेयांक - २**

३. प्रतिनिधि कविताएँ - मुक्तिबोध - सं. अशोक वाजपेयी

राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

(भूल ग़लती, अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस)

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र - १०)

१. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
२. कामायनी एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध
३. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - डॉ. नगेंद्र
४. कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन - डॉ. इंद्रनाथ मदान
५. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
६. अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
७. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा - डॉ. नंदकिशोर आचार्य
८. अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग - रमेश ऋषिकल्प
९. प्रसाद निराला अज्ञेय - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
१०. मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि - डॉ. सुरेश रितुपर्ण
११. निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ - नंदकिशोर नवल
१२. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - डॉ. नंदकिशोर नवल
१३. मुक्तिबोध की कविताएँ - डॉ. अशोक चक्रधर
१४. अज्ञेय, चिंतन और साहित्य - प्रेमधन
१५. आधुनिक हिंदी प्रबंध काव्य में मिथक और नारी - डॉ. शीला आहूजा

Semester - III(तृतीय सत्र)
Course Code : PAHIN 111

प्रश्न पत्र - ११

विविध विमर्श एवं साहित्य

(Various Discourse and Literatutre)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

पाठ्य पुस्तकें

इकाई एक और दो **श्रेयांक - २**

१. झूला नट - उपन्यास (स्त्री विमर्श) - मैत्रेयी पुष्पा
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

२. अब और नहीं - कविता संग्रह (दलित विमर्श) - ओमप्रकाश वाल्मीकि
राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

चयनित कविताएँ :- (जो मेरा कभी नहीं हुआ, जाति, अँगूठे का निशान,
काले दिनों में, विस्फोट, मक़ड जाल, ज़हर, कथावाचक,
शब्द चुप नहीं हैं, अब और नहीं) = कुल १० कविताएँ

इकाई चार **श्रेयांक - २**

३. धूणी तपे तीर - उपन्यास (आदिवासी विमर्श) - हरिराम मीणा
साहित्य उपक्रम

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र - ११)

१. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे
२. हिंदी उपन्यास का स्त्री - पाठ - डॉ. रोहिणी अग्रवाल
३. स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प - डॉ. रोहिणी अग्रवाल
४. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
५. आवाँ विमर्श - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
६. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में संघर्ष और संचेतना - अंजु दुआ जैमिनी
७. स्त्री - विमर्श की उत्तर गाथा - अनामिका
८. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय
९. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि
१०. दलित साहित्य : अनुभव संघर्ष एवं यथार्थ - ओमप्रकाश वाल्मीकि
११. मुख्यधारा और दलित साहित्य - ओमप्रकाश वाल्मीकि
१२. मात्र देह नहीं है औरत - मृदुला सिन्हा
१३. आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना - रमणिका गुप्ता
१४. आदिवासी साहित्य यात्रा - सं. रमणिका गुप्ता
१५. स्त्री - विमर्श का कालजयी इतिहास - सं. संजय गर्ग
१६. अस्मिता बोध के विविध आयाम - कविता भाटिया
१७. हिंदी साहित्य में वर्णित सांप्रदायिकता का स्वरूप - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
१८. पिंजरे के परिदृश्य का बाहर का आत्मकथन - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
१९. भूमंडलीकरण और हिंदी कहानी - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
२०. दलित साहित्य संवेदनाओं का अनुशीलन - डॉ. हणमंतराव पाटील, डॉ.सचिन गपाट
२१. इक्कीसवींसदी के प्रथम दशक की आंबेडकरवादी कविता का अनुशीलन-
-डॉ.प्रकाश कृष्णदेव धुमाल
२२. कथाकार जगदीशचंद्र - डॉ. संतोष मोटवानी
२३. स्त्री अस्मिता और समकालीन साहित्य - सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 112.3

(अंतः अनुशासनिक अध्ययन)

प्रश्न पत्र -१२.३

मराठी संतों का हिंदी काव्य

(Hindi Poetry of Marathi Saints)

कुल श्रेयांक (Credit)= 6

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक - ३**

१. **संत नामदेव की हिन्दी पदावली** - संपा. डॉ. भगीरथ मिश्र, डॉ. राजनारायण मौर्य

प्रकाशक- हिन्दी विभाग पुणे विश्वविद्यालय, पुणे- 411007

(पद संख्या - ०१, ०३, ०९, १२, १५, १८, १९, २३, ३२, ४२, ४८, ५१, ६४, ६५, ७४, ७६,९२, ९६, ९७, १०५) कुल = २० पद

इकाई तीन और चार **श्रेयांक -३**

२. **तुकाराम पदावली** - प्रा. वेदकुमार 'वेदांलकार'

विकास प्रकाशन, उस्मानाबाद

(पद संख्या -९, ३६ ,५१, ६०, ७० ,८५, १०८, ११४ , १५१, १६४, १९६, २०१, २०३, २७८, २९३, ३०२, ३३३, ३७९, ४१७, ४४६) कुल = २० पद

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र -१२.३)

१. संत नामदेव और हिंदी पद साहित्य - डॉ. रामचंद्र मिश्र
२. हिंदी निर्गुण काव्य का प्रारंभ और संत नामदेव की कविता - डॉ. शं. के. आडकर
३. हिंदी और मराठी वैष्णव संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. न. चिं. जोगळेकर
४. हिंदी और मराठी का निर्गुण संत काव्य - डॉ. प्रभाकर माचवे
५. मराठी का भक्ति साहित्य - डॉ. भी. गो. देशपांडे
६. मराठी संतों का सामाजिक कार्य - डॉ. वि. भा. कोलते
७. मराठी संतों की हिंदी वाणी - संपा. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
८. मराठी संत काव्याची सामाजिक फलश्रुति - श्री. गं.बा. सरदार
९. पाँच संत कवि - श्री. शं. गो. तुळपुळे
१०. मराठी संतों की हिंदी वाणी - डॉ. यु. म. पठाण
११. महाराष्ट्र के नाथपंथी कवियों का हिंदी काव्य - डॉ. अशोक कामत
१२. महाराष्ट्र के प्रमुख साधना संप्रदाय - डॉ. र. वा. बिवलकर
१३. हिन्दी के विकास में मराठी संतों का योगदान - डॉ. सी. एल. प्रभ

Semester - III (तृतीय सत्र)
Course Code : PAHIN 113.2

प्रश्न पत्र -१३.२

विशेष अध्ययन - जैनेन्द्र

(Special Study – Jainendra)

कुल श्रेयांक **(Credit)= 6**

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक -२**

१. त्यागपत्र - (उपन्यास)- जैनेंद्र कुमार
भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

इकाई तीन **श्रेयांक -२**

२. मुक्तिबोध - (उपन्यास)- जैनेन्द्र
भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

इकाई चार **श्रेयांक -२**

३. जैनेन्द की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ -सं. लीलाधर मंडलोई
भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

(**चयनित कहानियाँ** : **एक रात, खेल, अपना अपना भाग्य, रुकिया बुढ़िया, बाहुबली, जाह्नवी, पत्नी, पाजेब, दो सहेलियाँ, इनाम)**

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र -१३.१)

१. निबन्धकार : जैनेन्द्र कुमार - डॉ. विष्णु सरवदे
२. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
३. जैनेन्द्र के उपन्यास मर्म के तलाश - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
४. हिन्दी कथा साहित्य का पुर्नपाठ - डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
५. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास - डॉ. इंद्रनाथ मदान
६. हिन्दी उपन्यास एक अंतरयात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र
७. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - डॉ. गोपाल राय
८. भूंमडलीकरण और हिन्दी उपन्यास - डॉ. पुष्पपाल सिंह

Semester - IV(चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 114.1

प्रश्न पत्र -१४.१

तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक)

Comparative Study – Theoratical

कुल श्रेयांक **(Credit)= 6**

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप

- १.१. अर्थ, परिभाषा एवं व्युत्पत्ति
- १.२. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन की परंपरा
  - १.२.१. भारतीय
  - १.२.२. पाश्चात्य

इकाई दो **श्रेयांक - १**

२.१. तुलनात्मक अध्ययन के तत्व

२.२. तुलनात्मक साहित्य के प्रमुख स्कूल

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

३. तुलनात्मक अध्ययन के सिद्धांत

- ३.१. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन के प्रतिमान
- ३.२. तुलनात्मक अध्ययन की उपयोगिता एवं महत्त्व
- ३.३. तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ
- ३.४. तुलनात्मक साहित्य के मूल्य

इकाई चार **श्रेयांक - २**

४. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि एवं प्रभाव

- ४.१. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि
- ४.२. तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ
- ४.३. तुलनात्मक साहित्य में कथ्य-मीमांसा
- ४.४. तुलनात्मक साहित्य में रूप एवं शिल्प-मीमांसा
- ४.५. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन का प्रभाव-क्षेत्र

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र १४.१)

१. तुलनात्मक साहित्य का विश्वकोष - सं. डॉ. `पांडेय' शशिभूषण `शीतांशु'
२. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि - डॉ. इंदुनाथ चौधरी
३. साहित्य-दर्शन - आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री
४. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका - डॉ. इंदुनाथ चौधरी
५. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत और उपयोजन - आनंद पाटील (अनु. चंद्रलेखा)
६. तुलनात्मक भारतीय साहित्य : अवधारणा और मूल्य - प्रो. ऋषभदेव शर्मा
७. भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
८. परंपरा का मूल्यांकन - डॉ. रामविलास शर्मा
९. भारत : इतिहास और संस्कृति - गजानन माधव मुक्तिबोध
१०. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ - के. सच्चिदानंद
११. आधुनिक साहित्य - नंददुलारे वाजपेयी

Semester - IV(चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 115.6

प्रश्न पत्र -१५.६

अनुवाद

(Translation)

कुल श्रेयांक**(Credit)= 6**

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप, आवश्यकता एवं महत्त्व

२. अनुवाद कला एवं विज्ञान

इकाई दो **श्रेयांक - २**

३. अनुवाद के सिद्धांत

४. अनुवाद की प्रक्रिया

५. अनुवाद के भेद

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

६. अनुवाद के उपकरण

७. अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएँ

इकाई चार **श्रेयांक - १**

८. अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष

९. अनुवादक की योग्यताएँ

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र - १५.६)

१. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - डॉ. सुरेशकुमार
२. अनुवादविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३. अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार - एस. के. शर्मा
४. अनुवाद विज्ञान - सिद्धांत और अनुप्रयोग - संपा. डॉ. नगेंद्र
५. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन
६. अनुवाद कला - सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
७. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ - डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी,
८. अनुवाद बोध - संपा. डॉ. गार्गी गुप्त
९. काव्यानुवाद की समस्याएँ साहित्य का अनुवाद - डॉ. भोलानाथ तिवारी, महेंद्र चतुर्वेदी
१०. अनुवाद, भाषाएँ : समस्याएँ - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
११. अनुवाद और मशीनी अनुवाद - वृषभ प्रसाद जैन
१२. अनुवाद कला - डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
१३. अनुवाद का समकाल - डॉ. मोहसिन ख़ान

Semester - IV(चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 116

प्रश्न पत्र -१६

प्रकल्प लेखन

(Project Writing)

कुल श्रेयांक**(Credit)= 10**

अंक विभाजन - 60 अंक प्रकल्प के लिए

40 अंक मौखिकी के लिए

सूचना :मुंबई विश्वविद्यालय का हिन्दी अध्ययन मंडल प्रकल्प के विषय उपलब्ध कराएगा। मुंबई विश्वविद्यालय, अन्य विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के हिन्दी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपस्थित रहेगें। विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहने वाले परीक्षक का मानधन संबंधित संस्थान को देय होगा। एक प्राध्यापक सारे केंद्रों को मिलाकर अधिकतम दस छात्रों का ही मार्गदर्शन कर सकेंगें।

प्रकल्प लेखन के लिए निर्धारित शोध विषय :

१.	आदिकाल का नामकरण व काल विभाजन
२.	सिद्ध साहित्य का महत्त्व
३.	नाथ संप्रदाय का प्रदेय
४.	हिंदी महाकाव्य परंपरा में पृथ्वीराज रासो का स्थान
५.	वीर गाथा काव्य का वैशिष्ट्य
६.	आदिकाल की विशिष्ट रचना: संदेश रासक
७.	अमीर खुसरो का हिंदी साहित्य में प्रदेय
८.	आदिकालीन जैनकाव्य का महत्त्व

९.	आदिकालीन साहित्य में गोरखबानी का स्थान
१०.	वीरगाथा काव्य की भाषिक विशेषता
११.	भक्तिकाव्य का उदभव और विकास
१२.	विद्यापति का साहित्यिक प्रदेय
१३.	भक्तिकाल की उद्भवकालीन परिस्थितियाँ
१४.	भक्तिकाल के प्रमुख आचार्यों का योगदान
१५.	भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ
१६.	कबीर के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय
१७.	कबीर काव्य के सामाजिक सरोकार
१८.	कबीर काव्य में दार्शनिकता और रहस्यवाद
१९.	कबीर की भक्तिभावना और उसकी व्याप्ति
२०.	कबीर काव्य का भाषिक अनुप्रयोग और शिल्प
२१.	कबीर काव्य की प्रासंगिकता
२२.	कबीर काव्य का भाषिक अनुप्रयोग और शिल्प
२३.	सूफ़ी काव्यधारा और जायसी
२४.	जायसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
२५.	जायसी का महाकाव्यात्मक लेखन
२६.	जायसी कृत पद्मावत का महाकाव्यत्व
२७.	जायसी रचित प्रबंध काव्यों का महत्त्व
२८.	पद्मावत का प्रेमदर्शन
२९.	पद्मावत में चित्रित लोक संस्कृति
३०.	पद्मावत के प्रमुख पुरुष पात्र
३१.	पद्मावत के प्रमुख नारी पात्र
३२.	जायसी का रहस्यवाद और दार्शनिक चिंतन
३३.	जायसी का शृंगार वर्णन और विरहभावना-
३४.	पद्मावत में ऐतिहासिकताऔर समन्वयकल्प
३५.	जायसी की भाषा और शिल्पगत प्रयुक्तियाँ
३६.	जायसी का साहित्यिक प्रदेय
३७.	पद्मावत की प्रासंगिकता
३८.	कृष्ण काव्य परंपरा और सूरदास
३९.	सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय

४०.	सूर के काव्य में भक्ति और दर्शन
४१.	सूर का भ्रमरगीतसार और उसका प्रतिपाद्य
४२.	भ्रमरगीतसार परंपरा में सूर कृत भ्रमरगीत सार का महत्त्व
४३.	सूर काव्य में गीत और संगीत
४४.	सूर का भाषिक और शैल्पिक अनुप्रयोग
४५.	सूर का काव्यात्मक प्रदेय
४६.	सूर काव्य की प्रासंगिकता
४७.	कृष्ण काव्य परंपरा में सूर का स्थान
४८.	रामकाव्यधारा में गोस्वामी तुलसीदास का आगमन
४९.	तुलसीदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय
५०.	रामचरितमानस का महाकाव्यत्व
५१.	तुलसी के काव्य में भक्ति और दर्शन
५२.	तुलसीदास की समन्वय भावना
५३.	तुलसीदास के काव्य में सामाजिक संपृक्ति और लोकधर्म
५४.	रामचरितमानस के प्रमुख पुरुष पात्र
५५.	रामचरितमानस के प्रमुख नारी पात्र
५६.	तुलसीदास के काव्य में रामराज्य की संकल्पना
५७.	तुलसीदास का भाषिक और शैल्पिक अनुप्रयोग
५८.	तुलसीदास का साहित्यिक प्रदेय
५९.	तुलसीदास की प्रासंगिकता
६०.	रामकाव्य परंपरा में तुलसीदास का स्थान
६१.	हिंदी साहित्य में तुलसीदास का स्थान
६२.	रीतिकाव्य परंपरा में भूषण का आगमन
६३.	रीतिकाव्य का प्रमुख वैशिष्ट्य
६४.	कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
६५.	वीरकाव्य परंपरा और कवि भूषण
६६.	भूषण के काव्य का वैशिष्ट्य
६७.	रीतिकाव्य में भूषण का स्थान
६८.	भक्तिकाव्य परंपरा में मीराबाई का आगमन
६९.	मीराबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
७०.	मीराबाई के काव्य में भक्ति और चिंतन

७१.	मीराबाई का साहित्यिक प्रदेय
७२.	नारीवाद के संदर्भ में मीराकाव्य की विद्रोही चेतना-
७३.	भक्तिकाव्य में मीराबाई का अवदान
७४.	भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता और मीराबाई
७५.	हिंदी साहित्य के इतिहास में भक्तिकाव्य का महत्त्व
७६.	हिंदी साहित्य के इतिहास में रीतिकाव्य का महत्त्व
७७.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रस सिद्धांत का महत्त्व
७८.	रस सिद्धांत : विभिन्न व्याख्याएँ
७९.	साधारणीकरण और रस सिद्धांत
८०.	रस सिद्धांत के आधुनिक व्याख्याता
८१.	रस सिद्धांत की प्रासंगिकता
८२.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में अलंकार सिद्धांत का महत्त्व
८३.	अलंकार का स्वरूप और प्रभेद
८४.	प्रमुख अलंकारवादी आचार्य
८५.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रीति सिद्धांत का महत्त्व
८६.	रीति सिद्धांत का स्वरूप विश्लेषण
८७.	प्रमुख रीतिवादी आचार्य
८८.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में ध्वनि सिद्धांत का महत्त्व
८९.	ध्वनि सिद्धांत का स्वरूप विश्लेषण
९०.	प्रमुख ध्वनिवादी आचार्य
९१.	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में औचित्य सिद्धांत का महत्त्व
९२.	औचित्य सिद्धांत का स्वरूप विश्लेषण
९३.	प्रमुख औचित्यवादी आचार्य
९४.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत
९५.	आचार्य शुक्ल की आलोचनात्मक कृतियों का परिचय
९६.	हिंदी आलोचना को आचार्य रामचंद्र शुक्ल का प्रदेय
९७.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल और भक्तिकाव्य
९८.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल और छायावाद
९९.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की सैद्धांतिक आलोचना
१००	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना
१०१	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के समीक्षा सिद्धांत

१०२	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और कबीर
१०३	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ऐतिहासिक लेखन
१०४	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का समीक्षात्मक प्रदेय
१०५	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी के आलोचना सिद्धांत
१०६	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी और आधुनिक साहित्य
१०७	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी और छायावाद
१०८	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी का आलोचनात्मक अवदान
१०९	डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षा सिद्धांत
११०	डॉ. रामविलास शर्मा की व्यावहारिक आलोचना
१११	डॉ रामविलास शर्मा कि निराला से सम्बन्धित आलोचना
११२	डॉ रामविलास शर्मा का समीक्षात्मक प्रदेय
११३	डॉ. नामवर सिंह के समीक्षा सिद्धांत
११४	डॉ. नामवर सिंह और कविता के नए प्रतिमान
११५	डॉ. नामवर सिंह का समीक्षात्मक प्रदेय
११६	प्लेटो के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
११७	प्लेटो के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत
११८	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में प्लेटो का महत्त्व
११९	अरस्तू के जीवन,कृतित्व का परिचय व्यक्तित्व और
१२०	अरस्तू के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत
१२१	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में अरस्तू का महत्त्व
१२२	लोंजाइनस के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
१२३	लोंजाइनस के प्रमुख समीक्षा सिद्धांत
१२४	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में लोंजाइनस का महत्त्व
१२५	आभिजात्यवाद का स्वरूप वैशिष्टय
१२६	आभिजात्यवाद के आधार पर होमर के महाकाव्यों का विश्लेषण
१२७	स्वछंदतावाद का स्वरूप वैशिष्टय
१२८	स्वछंदतावाद के आधार पर किसी काव्यकृति का विश्लेषण
१२९	मार्क्सवाद के प्रमुख सिद्धांत
१३०	प्रमुख मार्क्सवादी विचारक
१३१	मार्क्सवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
१३२	मैथ्यू आर्नल्ड के काव्य सिद्धांत

१३३	मैथ्यू आर्नल्ड का समीक्षात्मक प्रदेय
१३४	टी.एस.इलियट के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय
१३५	इलियट के समीक्षा सिद्धांत
१३६	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में इलियट का महत्त्व
१३७	आई.ए.रिचर्ड्स के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
१३८	आई.ए. रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत
१३९	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्षेत्र में आई.ए.रिचर्ड्स का योगदान
१४०	मनोविश्लेषणवाद का स्वरूप वैशिष्टय
१४१	मनोविश्लेषणवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
१४२	मनोविश्लेषणवाद के प्रमुख चिंतक
१४३	संरचनावाद का स्वरूप वैशिष्ट्य
१४४	प्रमुख संरचनावादी विचारक
१४५	संरचनावाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
१४६	उत्तर आधुनिकतावाद का स्वरूप वैशिष्ट्य
१४७	प्रमुख उत्तर आधुनिकतावादी चिंतक
१४८	उत्तर आधुनिकता और विसंरचनावाद
१४९	विसंरचनावाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
१५०	डॉ. नगेंद्र के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
१५१	डॉ. नगेंद्र के समीक्षा सिद्धांत
१५२	भारतीय काव्यशास्त्र को डॉ. नगेंद्र की देन
१५३	विश्व काव्यशास्त्र की अवधारणा और डॉ. नगेन्द्र
१५४	फांस उपन्यास में किसानों की समस्याएँ
१५५	अकाल में उत्सव उपन्यास में किसान समस्याएँ
१५६	नई सदी की हिंदी कहानियों में किन्नर विमर्श
१५७	नई सदी की उर्दू कहानियों में सामाजिक समस्याएँ
१५८	21 वीं सदी कि मराठी कहानियों में किसान
१५९	उपन्यासकार यू. आर. अनंतमूर्ति
१६०	ग्लोबल गाँव के देवता उपन्यास में आदिवासी चेतना
१६१	मछुआरे(पिल्लै तकषी शिवशंकर)उपन्यास में मछुआरे समुदाय का यथार्थ
१६२	बारामासी उपन्यास में किसान यथार्थ
१६३	किन्नर कथा उपन्यास में किन्नर समस्याएँ

१६४	आचार्य नाटक में समकालीन साहित्यिक यथार्थ (इंदिरा दागी)
१६५	कुच्ची का कानून में स्त्री विमर्श
१६६	सूर बंजारन उपन्यास में स्त्री विमर्श
१६७	यहीं कहीं था घर उपन्यास में स्त्री विमर्श
१६८	मेरे आक़ा उपन्यास में स्त्री विमर्श
१६९	सलाम कहानी संग्रह में दलित चेतना
१७०	नये समय का कोरस उपन्यास में स्त्री विमर्श
१७१	नई सदी के भारतीय साहित्य की चुनौतियाँ
१७२	अपना मोर्चा उपन्यास:एक अध्ययन
१७३	21वीं सदी के हिंदी नाटक एवं सामाजिक समस्याएँ
१७४	महुआ चरित उपन्यास में स्त्री विमर्श
१७५	आधुनिक कविता कि पृष्ठभूमि, उद्भव एवं वर्गीकरण
१७६	कामायनी का दार्शनिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
१७७	कामायनी की चरित्र योजना
१७८	कामायनी की प्रतीकात्मकता
१७९	कामायनी का काव्य रूप
१८०	कामायनी का महाकाव्यत्व
१८१	कामायनी का काव्य शिल्प
१८२	जयशंकर प्रसाद एवं उनकी कामायनी
१८३	कामायनी का दर्शन
१८४	कामायनी के स्त्री पात्र
१८५	आधुनिक कविता और 'कामायनी'
१८६	कामायनीका ऐतिहासिक तथा मनोवैज्ञानिक आधार
१८७	आधुनिक हिंदी काव्य में जयशंकर प्रसाद का महत्त्व
१८८	छायावादोत्तर काव्य और महत्त्वपूर्ण वाद
१८९	प्रयोगवाद और अज्ञेय
१९०	अज्ञेय की काव्यानुभूति
१९१	अज्ञेय की काव्यशिल्प यात्रा और उनका काव्य
१९२	आँगन के पार द्वार संग्रह की कविताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन
१९३	आँगन के पार द्वार काव्य संग्रह का शिल्पगत विशेषण
१९४	असाध्य वीणा का कथ्य एवं शिल्प

१९५	लम्बी कविताएँ और 'असाध्य वीणा'
१९६	छायावादोत्तर हिंदी कविता में अज्ञेय का स्थान एवं महत्त्व
१९७	प्रगतिवाद और साहित्य पर उसका प्रभाव
१९८	नई कविता की विशेषताएँ
१९९	मुक्तिबोध का रचना-संसार और उनका काव्य-शिल्प
२००	'अँधेरे में' कविता का कथ्य एवं उसका महत्त्व
२०१	'अँधेरे में' कविता का शिल्पगत वैशिष्ट्य
२०२	लम्बी कविताएँ और 'अँधेरे में'
२०३	ब्रम्हराक्षस की प्रतीकात्मकता
२०४	ब्रह्मराक्षस का कथ्य
२०५	भूल ग़लती कविता का कथ्यात्मक विवेचन
२०६	मुक्तिबोध और उनकी विचारधारा
२०७	नई कविता और मुक्तिबोध
२०८	लम्बी कविताएँ और उनका रचना-विधान
२०९	लोकसाहित्यस्वरूप विवेचन तथा वर्गीकरण :
२१०	लोकसाहित्य तथा लोकवार्ता
२११	लोकवार्ता और लोकगीत
२१२	लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन
२१३	लोकगीतों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
२१४	लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
२१५	लोकगीत
२१६	संस्कार गीत
२१७	ऋतु गीत
२१८	त्यौहार संबंधी गीत
२१९	लोकगाथा सिद्धांत,परम्परा एवं स्वरूप
२२०	लोकगाथा
२२१	लोकनाट्य परंपरा तथा वर्तमान स्थिति
२२२	लोकनाट्य
२२३	भारत के लोकनाट्य
२२४	महाराष्ट्र का हिंदी लोकनाट्य

२२५	प्रकीर्ण लोक साहित्य
२२६	लोकसाहित्य और अमीर खुसरो
२२७	लोकसाहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का चित्रण
२२८	प्रवासी साहित्य : अवधारणा विकास एवं स्वरूप
२२९	स्त्री कहानियों का स्त्री पाठ
२३०	नारीवादी उपन्यास का यथार्थ
२३१	नारीवादी उपन्यासों में पुरुषसत्तात्मक व्यवस्था
२३२	अस्तित्व बोध के दायरे में नारीवादी कहानियाँ
२३३	आदिवासी कहानियों में आदिवासी जीवन
२३४	आदिवासी उपन्यासों में आदिवासी यथार्थ
२३५	आदिवासी उपन्यास में पर्यावरण की समस्याएँ
२३६	आदिवासी कहानियों में शोषण का रूप
२३७	अस्मितामूलक अख्यान और दलित आत्मकथा का यथार्थ
२३८	मेरा बचपन मेरे कंधो परदलित जीवन :
२३९	ज़ख़्म हमारे का अनुशीलन
२४०	सुशीला टाकभोरे की कहानियों में स्त्री जीवन
२४१	जूठन के विविध संदर्भों का अनुशीलन
२४२	मुर्दहिया का सामाजिकसांस्कृतिक परिवेश और दलित यथार्थ ,
२४३	दलित जीवन की कहानियों में दलित यथार्थ
२४४	वीरांगना झलकारी बाई का अनुशीलन
२४५	दलित कहानियों में दलित मुक्ति के प्रश्न
२४६	भारतीय दलित आंदोलन का संक्षिप्त इतिहास
२४७	शृंखला की कड़ियाँ स्त्री मुक्ति का पंचनामा :
२४८	डार से बिछुड़ी का विवेचन
२४९	छिन्नमस्ता और स्त्री शोषण का यथार्थ
२५०	अन्या से अनन्या तकनैतिकताओं पर प्रभाव :
२५१	कठगुलाब में स्त्री की दुनिया
२५२	आख़िरी कलामविविध संदर्भ :
२५३	कितने पाकिस्तानअनुशीलन :
२५४	हमारा शहर उस बरससामाजिक शैक्षिक यथार्थ :
२५५	अल्मा कबूतरी में स्त्री जीवन

२५६	सेज पर संस्कृत का यथार्थ
२५७	एक ब्रेक के बाद में भूमंडलीकृत परिवेश का विवेचन
२५८	'उसके हिस्से की धूप' में स्त्री विमर्श
२५९	'आवां' के स्त्री पात्रों का अनुशीलन
२६०	'बेघर' में स्त्री का सामाजिक मनोविज्ञान
२६१	'गोदान' का किसान और वर्तमान यथार्थ
२६२	'जंगल जहाँ शुरू होता है': विवेचन
२६३	'सलाम' कहानी संग्रह में दलित संवेदनाएँ
२६४	'विपात्र' का विवेचन
२६५	मुक्तिबोध की कहानियाँ और लंबी कविताओं में अंतर्संबंध
२६६	बूँद और समुद्र' में चित्रित मध्यवर्ग
२६७	'मैला आँचल' का अनुशीलन
२६८	'अनामदास का पोथा' का विवेचन
२६९	'शेखर एक जीवनी' का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण (भाग एक-दो)
२७०	'परख' का मनोविश्लेषणात्मक विवेचन
२७१	दूरदर्शन के विज्ञापनों का सामाजिक प्रभाव
२७२	दूरदर्शन का धार्मिक एवं सामाजिक प्रभाव
२७३	दूरदर्शन और शैक्षिक परिवेश
२७४	दूरदर्शन की भाषा का बदलता स्वरूप
२७५	सामाजिक विकास में जनसंचार माध्यमों का महत्त्व
२७६	व्हाट्सअप का सामाजिक प्रभाव
२७७	फेसबुक का सामाजिक प्रभाव
२७८	जनसंचार माध्यमों में स्त्री का यथार्थ
२७९	रेडियो का सामाजिक प्रभाव
२८०	पत्रकारिता की सामाजिक भूमिका और वर्तमान स्थिति
२८१	जनमाध्यमों में मध्यवर्ग की भूमिका
२८२	जनमाध्यमों में वंचित वर्गों का यथार्थ
२८३	जनमाध्यमों में स्त्री प्रतिमा : आकांक्षा और यथार्थ
२८४	जनमाध्यमों में गेम और बच्चों का मनोविज्ञान
२८५	कार्टून का बच्चों पर प्रभाव
२८६	अस्मिता के प्रश्नों पर जनमाध्यमों की भूमिका

२८७	जनमाध्यमऔर बदलता सांस्कृतिक परिवेश
२८८	धार्मिक चैनलों का सामाजिक प्रभाव
२८९	धार्मिक कार्यक्रमों का सांस्कृतिक प्रभाव
२९०	जनमाध्यमों में हाशिए के वर्ग का विलोम
२९१	सिनेमा का उद्भव और विकास
२९२	भारतीय सिनेमा का उद्भव और विकास
२९३	भारतीय मूक सिनेमा
२९४	दादा साहेब फालके का भारतीय सिनेमा को अवदान
२९५	बाबूराव पेंटर का भारतीय सिनेमा को अवदान
२९६	व्ही.शांताराम और भारतीय सिनेमा
२९७	प्रभात स्टुडियो का भारतीय सिनेमा को योगदान
२९८	मदन थियेटर और भारतीय सिनेमा
२९९	अर्देशीर ईरानी का भारतीय सिनेमा को अवदान
३००	सोहराब मोदी का भारतीय सिनेमा को अवदान
३०१	पृथ्वीराज कपूर का भारतीय सिनेमा को अवदान
३०२	फिल्मकार बिमल राय
३०३	न्यू थियेटर और भारतीय सिनेमा
३०४	सागर मूवीटोन का भारतीय सिनेमा में योगदान
३०५	रणजीत स्टुडियो का भारतीय सिनेमा में योगदान
३०६	हिंदी सिनेमा और बॉम्बे टॉकिज
३०७	हिंदी सिनेमा को के. आसिफ़ का योगदान
३०८	हिंदी सिनेमा को कमाल अमरोही का योगदान
३०९	सिनेमा को जब्बार पटेल का योगदान
३१०	हिंदी सिनेमा को गोविंद निहलानी का योगदान
३११	हिंदी सिनेमा को सई परांजपे का योगदान
३१२	हिंदी सिनेमा को नंदिता दास का योगदान
३१३	हिंदी सिनेमा को मनमोहन देसाई का योगदान
३१४	हिंदी सिनेमा को प्रकाश मेहरा का योगदान
३१५	हिंदी सिनेमा को रमेश सिप्पी का योगदान
३१६	हिंदी सिनेमा को सुभाष घई का योगदान
३१७	हिंदी सिनेमा को ऋषिकेश मुख़र्जी का योगदान

३१८	हिंदी सिनेमा को बासू भट्टाचार्य का योगदान
३१९	हिंदी सिनेमा को राज कपूर का योगदान
३२०	हिंदी सिनेमा को बी. आर. चोपड़ा का योगदान
३२१	हिंदी सिनेमा को महबूब खान का योगदान
३२२	हिंदी सिनेमा को यश चोपड़ा का योगदान
३२३	हिंदी सिनेमा को रामानंद सागर का योगदान
३२४	हिंदी सिनेमा को एल. वी. प्रसाद का योगदान
३२५	हिंदी सिनेमा को सत्यजीत राय का योगदान
३२६	हिंदी सिनेमा को मृणाल सेन का योगदान
३२७	हिंदी सिनेमा को श्याम बेनेगल का योगदान
३२८	हिंदी सिनेमा को बासू चॅटर्जी का योगदान
३२९	हिंदी सिनेमा को ताराचंद बडजात्या का योगदान
३३०	हिंदी सिनेमा को नितिन बोस का योगदान
३३१	हिंदी सिनेमा को प्रकाश झा का योगदान
३३२	हिंदी सिनेमा को तपन सिन्हा का योगदान
३३३	हिंदी सिनेमा को देवानंद का योगदान
३३४	हिंदी सिनेमा को विजयानंद का योगदान
३३५	हिंदी सिनेमा को चेतनआनंद का योगदान
३३६	हिंदी सिनेमा को मनोज कुमार का योगदान
३३७	हिंदी सिनेमा को जे. पी. दत्ता का योगदान
३३८	दो बीघा ज़मीन एक मूल्यांकन -
३३९	मुग़ल - ए - आज़म : एक मूल्यांकन
३४०	मदर इंडिया : एक मूल्यांकन
३४१	पाकीज़ा : एक मूल्यांकन
३४२	देवदास - (बिमल राय) : एक मूल्यांकन
३४३	महल : एक मूल्यांकन
३४४	धरती के लाल : एक मूल्यांकन
३४५	दुनिया न माने : एक मूल्यांकन
३४६	यहूदी : एक मूल्यांकन
३४७	मधुमती : एक मूल्यांकन
३४८	सत्यकाम : एक मूल्यांकन

३४९	चुपके चुपके : एक मूल्यांकन
३५०	शोले : एक मूल्यांकन
३५१	आवारा : एक मूल्यांकन
३५२	मेरा नाम जोकर : एक मूल्यांकन
३५३	जागते रहो : एक मूल्यांकन
३५४	श्री. 420: एक मूल्यांकन
३५५	उपकार : एक मूल्यांकन
३५६	पूरब और पश्चिम : एक मूल्यांकन
३५७	शोर : एक मूल्यांकन
३५८	रोटी कपड़ा और मकान : एक मूल्यांकन
३५९	शतरंज के खिलाड़ी : एक मूल्यांकन
३६०	सद्गति : एक मूल्यांकन
३६१	उपहार : एक मूल्यांकन
३६२	खिलौना : एक मूल्यांकन
३६३	जाने भी दो यारो : एक मूल्यांकन
३६४	अर्थ : एक मूल्यांकन
३६५	स्पर्श : एक मूल्यांकन
३६६	आक्रोश : एक मूल्यांकन
३६७	अमिताभ बच्चन और हिंदी सिनेमा
३६८	नसीरुद्दीन शाह और हिंदी सिनेमा
३६९	प्राण और हिंदी सिनेमा
३७०	ओम पुरी और हिंदी सिनेमा
३७१	दिलीपकुमार और हिंदी सिनेमा
३७२	अपर्णा सेन और हिंदी सिनेमा
३७३	मधुबाला और हिंदी सिनेमा
३७४	नर्गिस और हिंदी सिनेमा
३७५	दुर्गा खोटे और हिंदी सिनेमा
३७६	नूतन और हिंदी सिनेमा
३७७	मीना कुमारी और हिंदी सिनेमा
३७८	गुरु दत्त और हिंदी सिनेमा
३७९	सुरैय्या और हिंदी सिनेमा

३८०	लता मंगेशकर और हिंदी सिनेमा
३८१	आशा भोसले और हिंदी सिनेमा
३८२	मोहम्मद रफ़ी और हिंदी सिनेमा
३८३	किशोर कुमार और हिंदी सिनेमा
३८४	मुकेश और हिंदी सिनेमा
३८५	मन्ना डे और हिंदी सिनेमा
३८६	सचिनदेव बर्मन और हिंदी सिनेमा
३८७	गुलज़ार और हिंदी सिनेमा
३८८	जावेद अख्तर और हिंदी सिनेमा
३८९	हेमंत कुमार और हिंदी सिनेमा
३९०	सलिल चौधरी और हिंदी सिनेमा
३९१	संगीतकार रवि और हिंदी सिनेमा
३९२	नौशाद और हिंदी सिनेमा
३९३	अनुवाद कला
३९४	अनुवाद का महत्त्व और आयाम
३९५	अनुवाद और भाषा
३९६	अनुवाद तकनीक
३९७	साहित्यिक अनुवाद
३९८	व्यावहारिक अनुवाद
३९९	अनुवाद और राजभाषा
४००	अनुवाद प्रक्रिया तथा अनुवाद तकनीक
४०१	अनुवाद एकपुन: सृजन
४०२	नाटक और अनुवाद
४०३	कविता और अनुवाद
४०४	उपन्यास और अनुवाद
४०५	कहानी और अनुवाद
४०६	निबंध और अनुवाद
४०७	विज्ञान और अनुवाद
४०८	इतिहास और अनुवाद
४०९	जनसंचार और अनुवाद
४१०	शिक्षा और अनुवाद

४११	अनुवाद और व्यापार
४१२	अनुवाद का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
४१३	अनुवाद का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
४१४	लोकोक्तियाँ और मुहावरों का अनुवाद
४१५	अनुवाद की समस्याएँ
४१६	अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार
४१७	अनुवादक की योग्यताएँ
४१८	अनुवाद के प्रमुख भेद और उनके प्रमुख उदाहरण
४१९	भारतेन्दु युगीन कविता की विशेषता
४२०	द्विवेदी युगीन कविता में राष्ट्रीय चेतना
४२१	छायावादी काव्य का वैशिष्ट्य
४२२	छायावादी कविता में राष्ट्रीय चेतना
४२३	प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
४२४	प्रेमचंद युगीन उपन्यासों की विशेषता
४२५	प्रेमचदोत्तरउपन्यासों की विशेषता
४२६	समकालीन हिंदी उपन्यास
४२७	नई कहानी की विशेषताएँ
४२८	समकालीनकहानी की विशेषताएँ
४२९	प्रसाद पूर्व हिंदी नाटक
४३०	प्रसाद युगीन हिंदी नाटक
४३१	प्रसादोत्तर हिंदी नाटक
४३२	समकालीन हिंदी नाटक
४३३	शुक्ल युगीन हिंदी निबंधों की विशेषता
४३४	शुक्लोत्तर हिंदी निबंधों की विशेषता
४३५	समकालीन हिंदी निबंधोंकी विशेषताएँ
४३६	हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास
४३७	समकालीन हिंदी आत्मकथा की विशेषताएँ
४३८	हिंदी संस्मरण और स्मृति की रेखाएं
४३९	समकालीन हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ
४४०	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रयुक्त हिंदी
४४१	वैश्विक परिदृश्य में हिंदी

४४२	बाजारवाद और हिंदी
४४३	हिंदी की संवैधानिक स्थिति
४४४	हिंदी में रोजगार की संभावनाएं
४४५	सूचना प्रौद्यौगिकी और हिंदी
४४६	सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग

सूचना-

१. इन मानक विषयों के अतिरिक्त दूसरे विषयों पर भी विद्यार्थी अपने शोध निर्देशक केपरामर्श से प्रकल्प-विषय का चयन कर सकते हैं।

२. विद्यार्थी किसी कृति का हिंदी अनुवाद मूल लेखक की अनुमति से कर सकते हैं।

३. प्रकल्प की पृष्ठ संख्या 60 से 80 के मध्य होनी चाहिए।

४. विद्यार्थीयदि प्रकल्पकाटंकण करते हैं तो यूनिकोड मंगल फॉण्ट में टंकण करें और फॉण्ट का आकर 14 तथा 1.5 का स्पेस रखें ।

५.विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया का पालन करते हुए अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची देनी होगी।

****

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60
2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks – 40

पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प - २० अंक
प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य - १० अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता - ०५ अंक
शिष्टाचार एवं समग्र आचरण - ०५ अंक

*** प्रश्न पत्र १६ के लिए - ६० अंक (प्रकल्प)**
- ४० अंक (मौखिकी)

एम. ए. (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर III एवं IV

प्रश्नपत्र का प्रारूप

I - Course पाठ्यक्रम -**९, १०, ११, १२.१, १२.३, १३.१, १३.२, १३.३, १३.४, १४.२, १४.३, १४.४ के लिए**

प्रश्न १ - संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - २० अंक

प्रश्न २ - दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - ३० अंक

प्रश्न ३ - अ) अतिलघूत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) - ०५ अंक
ब) बहु विकल्पीय प्रश्न - ०५ अंक

कुल योग - ६० अंक

II - Course पाठ्यक्रम -**१२.२, १४.१, १५.१, १५.२, १५.३, १५.४, १५.५ के लिए**

प्रश्न १ - पूछे गए ४ प्रश्नों में से २ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - ४० अंक
प्रश्न २ - पूछे गए ४ टिप्पणियों में से २ के उत्तर अपेक्षित - १० अंक
प्रश्न ३ - अ) ०५ अतिलघूत्तरी प्रश्न - ०५ अंक
ब) ०५ बहु विकल्पीय प्रश्न - ०५ अंक

कुल योग - ६० अंक

एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्न पत्र पर चार व्याख्यान प्रति सप्ताह

१६ × ४ = ६४ व्याख्यान

****